NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

भारत की लिंग अंतर रिपोर्ट रैंकिंग एक चेतावनी के रूप में

भारत की लिंग अंतर रिपोर्ट रैंकिंग एक चेतावनी के रूप में

संदर्भ

- वैश्विक आर्थिक शक्ति और डिजिटल नवाचार के रूप में उभरने के बावजूद, भारत *लैंगिक समानता* के मामले में गंभीर चुनौतियों का सामना करता है। *विश्व आर्थिक मंच* की *ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट (2025)* के अनुसार भारत *148 देशों में 131वें* स्थान पर है, विशेष रूप से *आर्थिक भागीदारी* और *स्वास्थ्य एवं जीवित रहने* के स्तंभों में स्कोर बेहद कम है।

मुख्य संरचनात्मक समस्याएँ

- **स्वास्थ्य और जीवित रहना**
  - **जन्म के समय लिंगानुपात:** भारत का लिंगानुपात विश्व में सबसे अधिक असंतुलित बना हुआ है, जो पुत्रों की सामाजिक प्राथमिकता को दर्शाता है।
  - **स्वस्थ जीवन प्रत्याशा:** महिलाओं की स्वस्थ जीवन प्रत्याशा पुरुषों से कम हो गई है, जो अपेक्षित प्रवृत्ति के विपरीत है।
  - **अनीमिया की व्यापकता:** *NFHS-5* के अनुसार 15–49 वर्ष की लगभग *57% महिलाएँ अनीमिया* से पीड़ित हैं, जिससे उनके सीखने, कार्य करने और सुरक्षित गर्भधारण करने की क्षमता प्रभावित होती है।
  - **महिला स्वास्थ्य की उपेक्षा:** प्रजनन स्वास्थ्य, निवारक देखभाल और पोषण में लगातार निवेश की कमी—खासकर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए—राष्ट्रीय प्रगति को बाधित करता है।
- **आर्थिक भागीदारी और अवसर**
  - **कम श्रम शक्ति भागीदारी:** भारत इस सूचकांक में *143वें* स्थान पर है, और महिला श्रम भागीदारी लगातार कम बनी हुई है।
  - **वेतन अंतर:** महिलाओं को पुरुषों की तुलना में *तीन गुना कम* वेतन प्राप्त होता है।
  - **अर्थव्यवस्था का खोया हुआ संभावित लाभ:** *लैंगिक अंतर को बंद* करने से 2025 तक भारत की GDP में *$770 बिलियन* की वृद्धि हो सकती थी।
  - **धीमी प्रगति:** वर्तमान गति से वैश्विक आर्थिक लैंगिक अंतर को बंद करने में *100 साल* से अधिक लग सकते हैं—और भारत इससे भी पीछे है।
- **अदृश्य अवैतनिक देखभाल कार्य का भार**
  - **अदृश्य श्रम:** भारतीय महिलाएँ पुरुषों की तुलना में *सात गुना अधिक नि:शुल्क घरेलू कार्य* करती हैं, जो *राष्ट्रीय लेखांकन में दर्ज नहीं* होता और *सार्वजनिक नीति में उपेक्षित* रहता है।
  - **अपर्याप्त प्रतिनिधित्व:** महिलाएँ *निर्णय लेने वाले स्थानों* में बेहद कम प्रतिनिधित्व रखती हैं—चाहे बोर्डरूम हों या बजट समितियाँ—जिससे उनकी बुनियादी सच्चाई नीति निर्धारण में प्रतिबिंबित नहीं होती।

जनसांख्यिकीय परिवर्तन: वृद्धावस्था की चुनौती

- **बढ़ती वृद्ध जनसंख्या:** *2050 तक वरिष्ठ नागरिक* भारत की जनसंख्या का *लगभग 20%* बनेंगे, जिनमें *बहुसंख्यक बेहद वृद्ध महिलाएँ* और *विधवाएँ* होंगी।
- **निर्भरता अनुपात:** यदि महिलाएँ कार्यबल से बाहर रहती हैं तो निर्भरता अनुपात बढ़ेगा, जिससे आर्थिक और राजकोषीय स्थिरता पर दबाव बढ़ेगा।

- **आर्थिक अनिवार्यता:** लैंगिक समानता केवल अधिकार का विषय नहीं—बल्कि *वृद्ध होती जनसंख्या* और *गिरती प्रजनन दर* की स्थिति में *विकास बनाए रखने की आवश्यकता* है।

नीतिगत अंतर और सिफारिशें

- **देखभाल अवसंरचना**
  - **देखभाल सेवाओं में निवेश करें:** *बाल देखभाल केंद्र*, *वरिष्ठ नागरिक सेवाएं*, एवं *मातृत्व लाभ* का विस्तार करने से अवैतनिक कार्य का भार कम होगा और महिलाएँ कार्यबल में जुड़ सकेंगी।
  - **वैश्विक मॉडल से सीखना:** *उरुग्वे और दक्षिण कोरिया* जैसे देशों ने देखभाल अर्थव्यवस्थाओं को अपने विकास में सफलतापूर्वक एकीकृत किया है।
- **मान्यता और पुनर्वितरण**
  - **नीति एकीकरण:** *समय उपयोग सर्वेक्षण*, *जेंडर बजटिंग*, और *देखभाल अवसंरचना में निवेश* द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों को अवैतनिक देखभाल कार्य को मान्यता देनी होगी।
- **स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा**
  - **बजट प्राथमिकता:** महिलाओं के *प्राथमिक स्वास्थ्य* पर विशेष बजट आवंटन कल्याण और आर्थिक समावेशन के लिए आवश्यक है।
  - **एकीकृत नीतियाँ:** स्वास्थ्य, श्रम और सामाजिक सुरक्षा की नीतियों को जोड़ना नकारात्मक प्रवृत्तियों को पलटने के लिए अनिवार्य है।
- **अन्य प्रयास**
  - शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण तक पहुँच बढ़ाना
  - आर्थिक भागीदारी को बढ़ाना
  - स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार
  - राजनीतिक और कानूनी सशक्तिकरण
  - प्रौद्योगिकी और वित्तीय समावेशन का लाभ लेना
  - समुदायों को जोड़ना और सांस्कृतिक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना

निष्कर्ष

- भारत में लैंगिक समानता के लिए *संरचनाएँ और आकांक्षाएँ* मौजूद हैं, लेकिन वास्तविक निवेश की आवश्यकता है:
  - महिलाओं की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने वाले *सार्वजनिक स्वास्थ्य सिस्टम*
  - अवैतनिक देखभाल कार्य को *पुनर्वितरित* करने वाली देखभाल सेवाएँ
  - महिलाओं को *आर्थिक निर्माता* के रूप में सशक्त करने वाली नीतियाँ

संबंधित पहलकदमियाँ और प्रयास

- **आर्थिक सशक्तिकरण**
  - **स्टैंड-अप इंडिया:** ₹10 लाख से ₹1 करोड़ तक की बैंक ऋण सहायता महिला उद्यमियों को प्रदान करता है।
  - **प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY):** महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को माइक्रोफाइनेंस प्रदान करता है; *68% ऋण महिलाओं को गए हैं।*

- **महिला ई-हाट:** महिला उद्यमियों के लिए उत्पादों की *सीधी बाज़ार पहुंच* का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म।
- **राष्ट्रीय महिला कोष (RMK):** गरीब महिलाओं को आय सृजन गतिविधियों हेतु *सूक्ष्म ऋण* प्रदान करता है।

- **शिक्षा और कौशल विकास**
  - **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP):** *बालिका शिक्षा* को बढ़ावा देता है और *लिंग आधारित गर्भ चयन* का मुकाबला करता है।
  - **समग्र शिक्षा और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय:** पिछड़े क्षेत्रों में *बालिकाओं की आवासीय शिक्षा* को केंद्रित करता है।
  - **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):** बेहतर रोज़गार की संभावनाओं हेतु *महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण* प्रदान करता है।
- **स्वास्थ्य और पोषण**
  - **मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0:** आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से *महिलाओं और बच्चों को पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं* प्रदान करता है।
  - **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY):** *गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं* को *मातृत्व लाभ* प्रदान करता है।
  - **उज्ज्वला योजना:** *मुफ्त LPG कनेक्शन* प्रदान करता है, जिससे *घरेलू प्रदूषण से स्वास्थ्य जोखिम* कम होता है।
- **राजनीतिक सशक्तिकरण**
  - **पंचायती राज संस्थाओं में 33% आरक्षण:** *नींव स्तर पर महिलाओं की भागीदारी* सुनिश्चित करता है।
  - **महिला आरक्षण विधेयक (संविधान संशोधन बिल, 2023):** *2029 से संसद और राज्य विधानसभाओं में 33% आरक्षण* को अनिवार्य करता है।
- **सुरक्षा और कानूनी सहायता**
  - **मिशन शक्ति:** महिलाओं की *सुरक्षा और सशक्तिकरण* के लिए एक *समग्र योजना*, जिसमें *वन स्टॉप सेंटर* और *महिला हेल्पलाइन* सम्मिलित हैं।
  - **नारी अदालत:** *सामुदायिक स्तर पर महिलाओं की शिकायत निवारण* की व्यवस्था।
  - **मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017:** *मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह* तक बढ़ाता है और *क्रेच सुविधाओं* को अनिवार्य करता है।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: हाल ही में जारी जेंडर गैप रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग किस प्रकार गहरी सामाजिक-सांस्कृतिक और नीतिगत चुनौतियों को दर्शाती है?

■■■■